

कक्षा : 9

हिन्दी

पाठ: 8

# गुलमर्ग की खिड़की से एक रात

स्वाध्याय



## स्वाध्याय

**प्रश्न 1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :**

**(1) गुलमर्ग का भौगोलिक वातावरण कैसा है?**

➤ गुलमर्ग ऊँचाई पर पहाड़ियों से घिरा हुआ ठंडा स्थान है।

**(2) लेखक ने गुलमर्ग के साथ व्यक्ति की आत्मीयता बढ़ने का क्या कारण बताया है?**

➤ लेखक ने गुलमर्ग के अपार आकर्षण को उसके साथ व्यक्ति की आत्मीयता बढ़ने का कारण बताया है।

**(3) खिड़की के पास खड़ा लेखक बरसाती घटा को देखकर किस बात की प्रतीक्षा करने लगा?**

➤ खिड़की के पास खड़ा लेखक बरसाती घटा को देखकर इस बात की प्रतीक्षा करने लगा कि वह उस तक पहुँचे और उसे अपने में लपेट ले।

**(4) तूफान के एकाएक रुक जाने पर लेखक को कैसा अनुभव हुआ?**

➤ तूफान के एकाएक रुक जाने पर लेखक को ऐसा अनुभव हुआ जैसे उसका दम घुटने लगा हो।

**(5) लेखक को किस बात का अफसोस हुआ?**

➤ लेखक को इस बात का अफसोस हुआ कि वह बरसाती घटा उसके बराबर नहीं हो सकी।

**(6) लेखक ने गुलमर्ग की पगडंडियों के लिए क्या उपमा दी?**

➤ लेखक गुलमर्ग की पगडंडियों के लिए पतली-पतली नरम बाँहों की उपमा दी।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-दो वाक्यों लिखिए :**

**(1) गुलमर्ग से विदा लेते समय सैलानियों को कैसा अहसास होता है?**

➤ गुलमर्ग में रहते हुए सैलानियों को उससे गहरी आत्मीयता हो जाती है। इसलिए वहाँ से विदा लेते समय उन्हें अपने आपसे बिछुड़ने का अनुभव होता है।

## (2) लेखक ने गुलमर्ग के दिन को वाचाल क्यों कहा?

- गुलमर्ग में रात आते ही सबकुछ खामोश हो जाता है। दिन में सैलानियों के कारण वहाँ बहुत चहल-पहल रहती है। इसलिए लेखक ने गुलमर्ग के दिन को वाचाल कहा।

## (3) सैलानी कब और क्यों सिहर जाते हैं?

- सैलानी बर्फबारी होने पर अत्यंत ठंडक के कारण सिहर जाते हैं।

#### **(4) लेखक की प्रतीक्षा असफल क्यों हुई?**

- लेखक तूफानी हवा के साथ आ रही बरसती घटा से घिर जाने की प्रतीक्षा कर रहा था। लेकिन तूफान रुक जाने से घटा उस तक नहीं पहुँची। इसलिए लेखक की प्रतीक्षा असफल हुई।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में लिखिए :**

**(1) लेखक ऐसा क्यों कहता है कि गुलमर्ग को कभी पूरा देखा नहीं जा सकता?**

➤ गुलमर्ग में रहकर वहाँ के साथ व्यक्ति की आत्मीयता बहुत गहरी हो जाती है। यहाँ तक कि व्यक्ति अपने आपको वहाँ के सपाट मैदान का एक हिस्सा समझने लगता है। वहाँ के जिस परिसर में व्यक्ति रहता है, वह उसके भीतर समा जाता है। आत्मीयता का कोई ओर-छोर नहीं होता। इसलिए लेखक को लगता है कि गुलमर्ग को कभी पूरा देखा नहीं जा सकता ।



## (2) 'दिन में गुलमर्ग की शोभा' का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

- दिन में गुलमर्ग का हरा-भरा रूप आँखों को मुग्ध कर देता है। धरती से लेकर आकाश तक हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। हरी घास के बीच तरह-तरह के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। वातावरण में नई-नई कोपलें फूट आती हैं। सैलानी घुड़सवारी का आनंद लेते नज़र आते हैं। हर क्षण नए अनुभव और रोमांच की सृष्टि होती है। आकाश में बादलों के नन्हे-नन्हे द्वीप तैरते दिखाई देते हैं। पगडंडियाँ भेड़-बकरियों के रेवड़ों से ढक जाती हैं। इस तरह दिन में गुलमर्ग की शोभा देखने लायक होती है।

### (3) प्रकाश, बादल तथा हवा के कारण गुलमर्ग-दर्शन में आए रोमांच का वर्णन कीजिए।

- गुलमर्ग प्रकृति की क्रीड़ास्थली है। बर्फ से ढके पहाड़ों पर सूर्य का प्रकाश सुनहली आभा प्रकट करता है। आकाश से बरसते बर्फ के पारदर्शक कण प्रकाश में उज्ज्वल हो उठते हैं। बादलों के समूह आकाश में ऐसे विचरते हैं जैसे नन्हे-नन्हे द्वीप इधर-उधर भटक रहे हों। सुहावनी लगनेवाली

हवा एकाएक तूफान का रूप ले लेती है, तेज़ हवा के साथ बरसाती घटाएँ तेजी से आगे बढ़ती हैं। बीच-बीच में बिजली भी कौंधने लगती है। इस प्रकार प्रकाश, बादल और हवा के कारण गुलमर्ग एक अनोखे रोमांच से भर जाता है।

## प्रश्न 4. पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए:

(1) गुलमर्ग में सपने फूल बनकर उगते हैं – हरियाली के  
आर-पार, लाल-लाल छतों के ऊपर आकाश में ।

➤ गुलमर्ग के रंगीन फूल रंगीन और सुंदर सपनों की तरह होते हैं। हरी-भरी घास पर दूर-दूर तक फूल ही फूल दिखाई देते हैं। लाल रंग की छतों पर भी फूल नज़र आते हैं।

**(2) रंगीन बिन्दुओं का पूरा विस्तार एक बार सिहर जाता है और अपने को समेटने लगता है ।**

➤ मौसम सुहावना था। हरी घास पर बैठे रंग-बिरंगे कपड़े पहने हुए तरह-तरह के सैलानी सुहावने वातावरण का आनंद ले रहे थे। तभी बूँदें गिरने लगी और सैलानी उठ-उठकर सुरक्षित जगहों में जाने लगे।

**प्रश्न 5. 'हरियाली का सपना कुहासे के फूल में बदल जाता है' - यह द्रश्य किस समय का है?**

**(अ) प्रातःकाल**

**(ब) दोपहर**

**(क) सायंकाल**

**(ड) अर्धरात्रि**

**प्रश्न 6. (1) उचित उपसर्ग जोड़कर उनके विरुद्धार्थी शब्द बनाइए :**

(1) साधारण	×	असाधारण
(2) मान	×	अपमान
(3) उदार	×	अनुदार
(4) रंग	×	बेरंग
(5) स्मृति	×	विस्मृति

## **(2) उचित प्रत्यय जोड़कर विशेषण शब्द बनाइए :**

**(1) सुरमा = सुरमई**

**(2) बरसात = बरसाती**

**(3) तूफान = तूफानी**

**(4) चमक = चमकीला, चमकदार**

**(5) विस्फोट = विस्फोटक**



**(3) उचित प्रत्यय जोड़कर संज्ञा बनाइए :**

**(1) लाल = लालिमा**

**(2) खामोश = खामोशी**

**(3) कमजोर = कमजोरी**

**(4) आकर्षक = आकर्षण**

## प्रश्न 7. वाक्य में प्रयोग कीजिए :

(1) विस्फोट - किसी पदार्थ का तेज आवाज़ के साथ फटना

➤ बम विस्फोट से आसपास के मकान हिल उठे।

(2) आकर्षण - खिचाव

➤ तितलियों को फूलों का बड़ा आकर्षण रहता है।

(3) पारदर्शक - आरपार दिखलाई देनेवाला

➤ घना कोहरा अब पारदर्शक होने लगा है।

(4) रोमांचक - रोंगटे खड़े कर देनेवाला

➤ जादूगर ने बड़े रोमांचक खेल दिखाए।

# Thanks



# For watching